आज

वाराणसी, २२ जनवरी , २०१६

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज देश के सर्वोच्च ५० स्कूलों में शामिल

१७ राज्यों में निजी क्षेत्र के सभी प्रबंध संस्थानों में एस.एम.एस.प्रथम-प्रोफेसर पी.एन.झा

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेस ने (एस.एम.एस.) की स्कूल रेटिंग में पूरे देश में ४६ वां स्थान पाकर देश के प्रथम ५० उत्कृष्ट संस्थानों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर काशी सहित उत्तर प्रदेश का नाम गौरवांन्वित किया है। सर्वेक्षण के अनुसार एस.एम.एस.उत्तर प्रदेश सहित देश के उत्तरी, पूर्वी, मध्य एवं उत्तर पूर्वी १७ राज्यों में निजी क्षेत्र के सभी प्रबंध संस्थानों में प्रथम स्थान हासिल किया है। बिजनेस इंडिया के नवीनतम अंक में प्रकाशित रेटिंग के अनुसार निजी क्षेत्र केस्कूलों का भी दबदबा बढ़ता जा रहा है। प्रथम ५० उत्कृष्ट बी.स्कूलों में ४० निजी क्षेत्र के हैं, जिनमें एस.एम.एस.भी शामिल है। गुरुवार को कैण्टोमेंट क्षेत्र में स्थित एक होटल में पत्र-प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान यह जानकारी एस.एम.एस.के निदेशक प्रोफेसर पी.एन.झा ने दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि अध्यापकों की कड़ी मेहनत और संस्था के प्रबंधन द्वारा प्राप्त उच्चस्तरीय संसाधन के सदुपयोग से ह मिली है। प्रोफेसर झा ने बताया कि सर्वेक्षण में जिन आयामों जैसे अध्यापकों तथा विद्यार्थियों की गुणवत्ता, कैम्पस प्लेसमेंट, आधारभूत ढांचा आदि पर हुई विवेचना में एस.एम.एस. खरा उतरा है। उन्होंने बताया कि संस्थान ने अपने पी.जी.डी.एम. पाठ्यक्रम को न केवल उद्योगजगत के लिए डिजाइन किया है बल्कि उन समस्त क्रियाकलापों को सम्मिलित किया है जो विकासपरक हैं जैसे बिजनेस एलालिटिक्स, बिजनेस इंक्यूवेशन, रिटेल मैनेजमेंट, सप्लाई चेन, लाजिसटिक्स का पाठ्यक्रम में समावेश, आरएवं सैस तथा एस.पी.एस.एस. आदि है। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता के अन्य मापकों में भी संस्थान का प्रदर्शन उम्दा है। संस्थान के केन्द्रीय मंत्रालय में ३५ हजार पुस्तकों का संकलन है। साथ ही आनलाइन तथा ई-लाइब्रेरी की भी व्यवस्था है। पूरा कैम्पस वाई-फाई से लैस तथा चार सौ से अधिक टर्मिनल वेवयुक्त है। उन्होंने बताया कि संस्थान चार शोध जर्मफों का प्रकाशन नियमित रुप से कर रहा है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में स्वर्णपदक विजेता वर्षों से एस.एम.एस. के ही छात्र रहे हैं। प्रोफेसर झा ने बताया कि एस.एम.एस. (वाराणसी)के विद्यार्थी अब तक कई स्टार्ट-अप देश को समर्पित कर चुके हैं। स्टार्ट-अप इंडिया स्टैण्ड-अप इंडिया के बैनर तले एस.एम.एस.अपने विद्यार्थियों को उद्यमिता विकास के माध्यम से सफल उद्यमी के रुप में भी विकसित कर रहा है। उन्होंने बताया कि एस.एम.एस. वाराणसी उद्यमिता एवं कौशल विकास को बढ़ाने के लिए वाराणसी स्थित औद्योगिक संस्थानों को भी प्रतिशत तथा कन्सलटेंसी प्रदान करता है। पत्रकार वार्ता में संस्थान के रजिस्ट्रार श्री संजय गुप्त, डाक्टर आलोक कुमार (प्रोफेसर एवं डीन-आर एण्ड डी), डाक्टर राजकुमार सिंह, असोसियेट प्रोफेसर श्री कृष्णकांत बाजपेयी भी उपस्थित थे।